डोनाल्ड ट्रंप का नया टैरिफ प्लान: दुनिया भर के देशों पर प्रभाव

दोस्तों, Ojaank IAS Academy में आपका स्वागत है। आखिरकार वो दिन आ गया है जब डोनाल्ड ट्रंप ने पूरी दुनिया पर लगने वाले टैरिफ का अनाउंसमेंट कर दिया है। चाइना, पाकिस्तान, भारत, यूरोपियन यूनियन - हर देश पर अमेरिका कितना टैरिफ लगाएगा, इसका विस्तृत विवरण सामने आया है।

अभी तक ऐसा लग रहा था कि ट्रंप एक यूनिवर्सल टैरिफ (लगभग 25%) पूरी दुनिया पर लगाएंगे, लेकिन अब उन्होंने एक अलग रणनीति अपनाई है। उनका नया प्लान है "रेसिप्रोकल टैरिफ" - जिस देश ने अमेरिका पर जितना टैरिफ लगाया है, उसका आधा टैरिफ अमेरिका उस देश पर लगाएगा।

by OJAANK IAS

Ojaank Gurukul | IAS

रेसिप्रोकल टैरिफ क्या है?

समान व्यवहार का सिद्धांत

जो देश जिस तरह से अमेरिकन गुड्स पर चार्ज करता है, अमेरिका भी उसी देश के ऊपर उतना ही या उससे ज्यादा चार्ज करेगा।

लेवल प्लेइंग फील्ड

इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय व्यापार में समानता लाना है, ताकि सभी देशों के लिए व्यापार की शर्तें समान हों।

उदाहरण

अगर भारत अमेरिकन गुड्स पर 10% टैरिफ लगाता है, तो अमेरिका भी भारतीय गुड्स पर 10% टैरिफ लगाएगा। अगर 50% लगाता है, तो अमेरिका भी 50% लगाएगा।

ट्रंप की "अमेरिका फर्स्ट" रणनीति

ट्रेड डेफिसिट से मुक्ति

ट्रंप का मानना है कि अमेरिका दशकों से ट्रेड डेफिसिट झेल रहा है और अन्य देशों द्वारा अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिसेस का शिकार है।

अमेरिकन इंडस्ट्री का पुनरुत्थान

अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग को रिवाइव करना और देश के भीतर उत्पादन को बढ़ावा देना।

अमेरिकी नौकरियों की सुरक्षा

अमेरिकी नागरिकों के रोजगार को सुरक्षित करना और नई नौकरियां पैदा करना।

टैरिफ में वृद्धि

पिछले कई दशकों में अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ में लगातार कमी आई थी, लेकिन अब ट्रंप के आने से यह फिर से बढ़ने लगा है।

Ojaank Gurukul | IAS

नए टैरिफ का स्ट्रक्चर

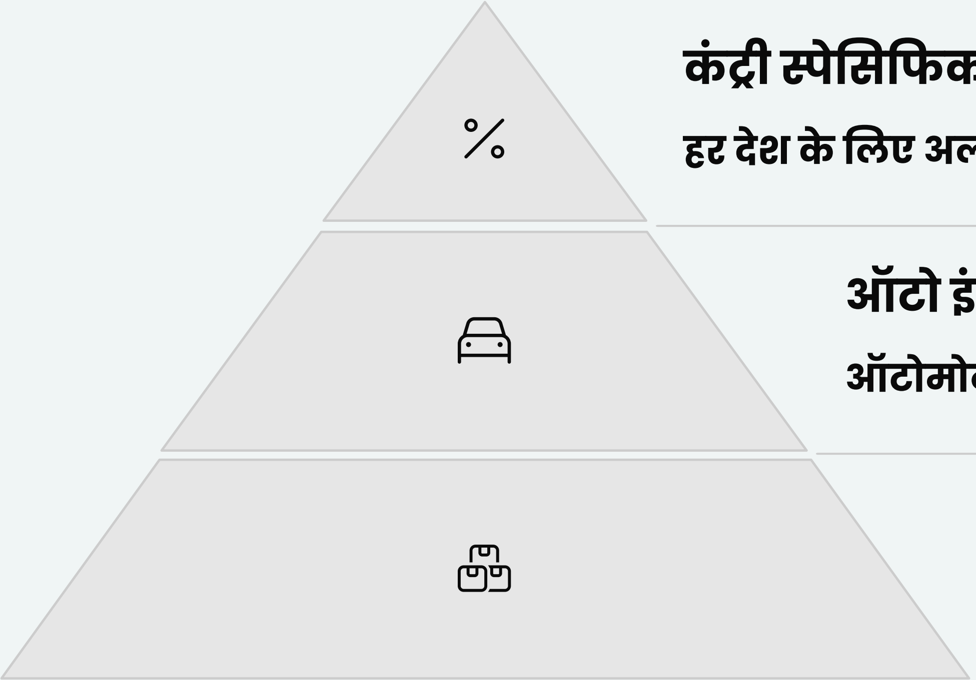

कंट्री स्पेसिफिक टैरिफ

हर देश के लिए अलग-अलग टैरिफ रेट

ऑटो इंडस्ट्री टैरिफ

ऑटोमोबाइल उत्पादों पर न्यूनतम 25% टैरिफ

बेसलाइन टैरिफ

सभी आयातित वस्तुओं पर न्यूनतम 10% टैरिफ

ट्रंप ने तीन स्तरीय टैरिफ स्ट्रक्चर की घोषणा की है। सबसे पहले, कोई भी सामान जो अमेरिका में प्रवेश करेगा, उस पर न्यूनतम 10% टैरिफ लगेगा। ऑटोमोबाइल उद्योग से संबंधित सामानों पर न्यूनतम 25% टैरिफ लगेगा। इसके अलावा, हर देश के लिए अलग-अलग टैरिफ रेट निर्धारित किए गए हैं।

देश-विशिष्ट टैरिफ दरें

देश	अमेरिकन गुड्स पर टैरिफ	अमेरिका द्वारा लगाया गया टैरिफ
चीन	67%	34%
यूरोपियन यूनियन	39%	20%
भारत	52%	26%
कंबोडिया	97%	49%
पाकिस्तान	58%	29%

ट्रंप ने एक चार्ट के माध्यम से बताया कि किस देश पर कितना टैरिफ लगेगा। उन्होंने दावा किया कि चीन अमेरिकी सामानों पर 67% टैरिफ लगाता है, इसलिए अमेरिका चीनी सामानों पर 34% टैरिफ लगाएगा। भारत के लिए, उन्होंने कहा कि भारत 52% टैरिफ लगाता है, इसलिए अमेरिका 26% टैरिफ लगाएगा।

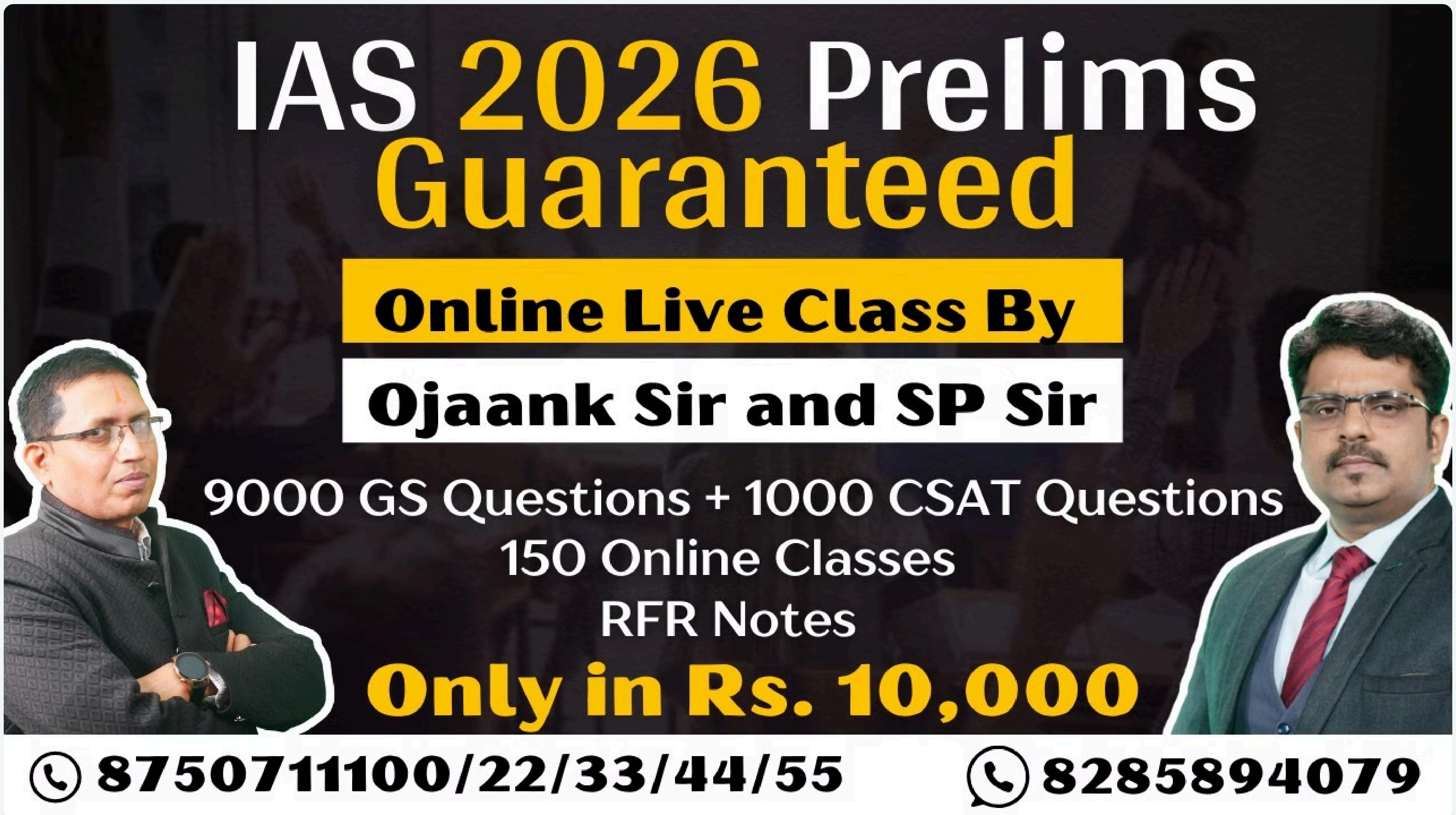

IAS 2026 Prelims की तैयारी अब होगी Guaranteed के साथ! 🔥📚
Ojaank Sir और SP Sir की Online Live Classes में मिलेगा Top Level Guidance✅

- 💡 9000 GS Questions
- 💡 1000 CSAT Questions
- 💡 150 Online Live Classes
- 💡 RFR Notes

💥 ये सब कुछ सिर्फ ₹10,000 में! सपना नहीं अब रियलिटी बनेगा IAS बनना! 🚀

Download Ojaank App Now Link :- https://play.google.com/store/apps/details?id=com.ojaank

Course Link - https://ojaankias.akamai.net.in/new-courses/518

📢 Limited Seats | पहले आओ पहले पाओ

Ojaank IAS में Admission लेने लिए दिए गए link पर Click करके Form भरें - https://docs.google.com/forms/d/1PzN1wR9JewyqDUCQY4kP60HuoefjYTVnmIL69PIRmxc/edit

अधिक जानकारी के लिए तुरंत Call करें :- 8750711100/22/33/44/55

👉🏻 Ojaank Sir के साथ सीधा Whatsapp से जुड़ें : 8285894079

Ojaank Gurukul | IAS

भारत पर प्रभाव और विवादास्पद आंकड़े

52% का विवादित आंकड़ा

ट्रंप का दावा है कि भारत अमेरिकी सामानों पर 52% टैरिफ लगाता है, जबकि वास्तविक औसत 10-12% के आसपास है

भारत के प्रयास

भारत ने हाल ही में कई सामानों पर टैरिफ कम किया है और अधिकतम टैरिफ 70-75% तक सीमित किया है

मोदी का उल्लेख

ट्रंप ने पीएम मोदी को अपना "अच्छा मित्र" बताया, लेकिन साथ ही कहा कि टैरिफ तो लगेगा ही

संभावित प्रतिक्रिया

भारत अब अमेरिकी सामानों पर अपना टैरिफ बढ़ा सकता है

ट्रंप के 52% टैरिफ के दावे पर सवाल उठ रहे हैं। भारत सरकार ने पहले ही कई सामानों पर टैरिफ कम कर दिया है, और अधिकतम टैरिफ 70-75% तक सीमित है। अधिकांश अमेरिकी सामानों पर भारत 5%, 10%, या 15% टैरिफ लगाता है। इस विवादास्पद आंकड़े के आधार पर भारत पर 26% टैरिफ लगाया गया है।

ट्रंप का "लिबरेशन डे" संदेश

अमेरिकी उद्योग का पुनर्जन्म

ट्रंप ने 2 अप्रैल को "लिबरेशन डे" घोषित किया और कहा कि यह अमेरिकी उद्योग के पुनर्जन्म का दिन है।

आर्थिक दुरुपयोग का अंत

"हम अब आर्थिक दुरुपयोग को बर्दाश्त नहीं करेंगे" - ट्रंप का यह संदेश अमेरिकी आर्थिक स्वतंत्रता पर जोर देता है।

अपेक्षित लाभ

ट्रंप प्रशासन का दावा है कि इससे अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग का पुनर्निर्माण होगा, राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होगी, लाखों नौकरियां पैदा होंगी और व्यापार घाटा कम होगा।

ट्रंप ने अपने टैरिफ प्लान की घोषणा को "लिबरेशन डे" का नाम दिया है। उनका मानना है कि यह अमेरिकी उद्योग के पुनर्जन्म का दिन है और अमेरिका अब आर्थिक दुरुपयोग को बर्दाश्त नहीं करेगा। उनके प्रशासन का दावा है कि इस नीति से अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग का पुनर्निर्माण होगा, राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होगी, लाखों नौकरियां पैदा होंगी और व्यापार घाटा कम होगा।

विश्व के देशों की प्रतिक्रियाएँ

यूरोपियन यूनियन

यूरोपियन यूनियन ने कहा है कि वह जवाबी कार्रवाई करेगा और समान टैरिफ लगाएगा। उनका मानना है कि ट्रंप का यह कदम WTO के नियमों के खिलाफ है।

यूनाइटेड किंगडम

यूके ने चेतावनी दी है कि इसके कारण लंबे समय में आर्थिक प्रभाव देखने को मिलेगा।

ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ ने इसे "अतार्किक" और "अमैत्रीपूर्ण" बताया है।

भारत

भारत ने अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। भारत पहले से ही टैरिफ कम करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन अब संभावना है कि वह भी अमेरिकी सामानों पर टैरिफ बढ़ा सकता है।

Ojaank Gurukul | IAS

Get full Daily Free Quiz From Selection Wali Class by Ojaank Sir Course from Ojaank App Now.

Date - (03-04-2025) आज के प्रमुख 2 प्रश्न Attempt करो तो जाने 👇🏻👇🏻👇🏻

Link - https://ojaankias.akamai.net.in/new-courses/493

Q1. Consider the following statements regarding Strategic AI Diplomacy:
1. The Quad AI agreement focuses on ethical AI use between India, the US, Japan, and Australia.
2. India-US ICET promotes cooperation in AI, semiconductors, and critical technologies.
3. The India-France AI agreement is limited to trade and ignores ethical AI development.

Select the correct answer:

1) Option 1 and 2 only
2) Option 2 and 3 only
3) Option 1 and 3 only
4) Option 1, 2 and 3

Q1. सामरिक एआई कूटनीति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
1. क्वाड एआई समझौता भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच नैतिक एआई उपयोग पर केंद्रित है।
2. भारत-अमेरिका आईसीईटी एआई, अर्धचालक और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में सहयोग को बढ़ावा देता है।
3. भारत-फ्रांस एआई समझौता व्यापार तक सीमित है और नैतिक एआई विकास की उपेक्षा करता है।

उसही उत्तर का चयन करें:

1) Option केवल 1 और 2
2) Option केवल 2 और 3
3) Option केवल 1 और 3
4) Option 1, 2 और 3

Q2. Which of the following are the key features of the National Quantum Mission of India (2023)?

1. Public-private financing of over Rs 6,000 crore.
2. Development of quantum communication and AI integration.
3. Establishment of four Quantum Science Centres.
4. Quantum encryption will be made mandatory in Aadhaar by 2025.

Select the correct answer:

1) Option 1, 2 and 3
2) Only Option 2 and 4 only
3) Option 1 and 3 only
4) Option All four

Q2. निम्नलिखित में से कौन सी भारत के राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (2023) की प्रमुख विशेषताएं हैं?

1. 6000 करोड़ रुपये से अधिक का सार्वजनिक-निजी वित्तपोषण।
2. क्वांटम संचार और एआई एकीकरण का विकास।
3. चार क्वांटम विज्ञान केन्द्रों की स्थापना।
4. 2025 तक आधार में क्वांटम एन्क्रिप्शन अनिवार्य किया जाएगा।

सही उत्तर का चयन करें:

1) Option केवल 1, 2 और 3
2) Option केवल 2 और 4
3) Option केवल 1 और 3
4) Option सभी चार

Ojaank Gurukul | IAS

प्रभावित होने वाले प्रमुख सेक्टर

ऑटोमोटिव

गाड़ियों और ऑटो पार्ट्स की कीमतें अमेरिका में बहुत अधिक बढ़ सकती हैं, जिससे अमेरिकी उपभोक्ताओं को परेशानी होगी।

कृषि

भारत, यूरोपियन यूनियन और चीन अमेरिकी कृषि उत्पादों पर भी टैरिफ बढ़ा सकते हैं।

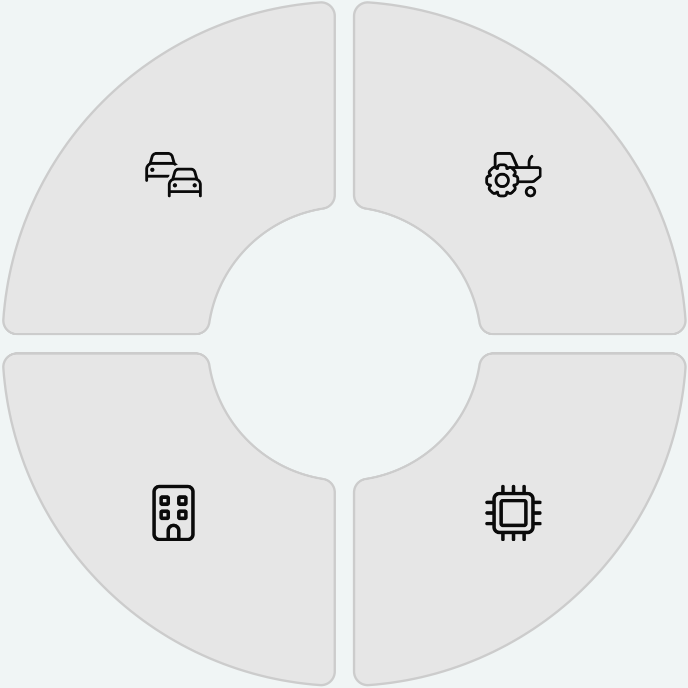

कंस्ट्रक्शन

स्टील और एल्युमीनियम की कीमतें बढ़ने से अमेरिका में इंफ्रास्ट्रक्चर और हाउसिंग की लागत बढ़ जाएगी।

टेक्नोलॉजी

अमेरिकी नागरिकों को इलेक्ट्रॉनिक्स सामान खरीदना महंगा पड़ जाएगा।

Ojaank Gurukul | IAS

समर्थकों और आलोचकों के विचार

समर्थकों के तर्क

- यह एक बोल्ड और आवश्यक कदम है
- आर्थिक संप्रभुता के लिए जरूरी है
- अन्य देश बेहतर व्यापार समझौतों के लिए तैयार होंगे
- अमेरिकी उद्योग और नौकरियों की रक्षा होगी

आलोचकों के तर्क

- कीमतों में वृद्धि होगी
- सप्लाई चेन में समस्याएं आएंगी
- मुद्रास्फीति बढ़ेगी
- मंदी की संभावना बढ़ जाएगी
- गोल्डमैन सैक्स के अनुसार, अमेरिका में मंदी की संभावना 20% से बढ़कर 35% हो गई है

ट्रंप के टैरिफ प्लान पर विचारों का बंटवारा है। समर्थकों का मानना है कि यह अमेरिकी उद्योग और नौकरियों की रक्षा के लिए आवश्यक है, जबकि आलोचकों का कहना है कि इससे कीमतें बढ़ेंगी, सप्लाई चेन में समस्याएं आएंगी और मुद्रास्फीति बढ़ेगी। गोल्डमैन सैक्स के अनुसार, अमेरिका में मंदी की संभावना 20% से बढ़कर 35% हो गई है।

वैश्विक आर्थिक प्रभाव

उत्तरी अमेरिका

सबसे अधिक प्रभाव अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा पर पड़ेगा

यूरोपीय संघ

दूसरा सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र यूरोपीय संघ होगा

विश्व स्तर

धीरे-धीरे प्रभाव पूरी दुनिया में फैल जाएगा

एस्टन यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्रियों के अनुसार, टैरिफ का सबसे अधिक प्रभाव उत्तरी अमेरिका (अमेरिका, मेक्सिको, कनाडा) पर पड़ेगा, उसके बाद यूरोपीय संघ पर, और फिर धीरे-धीरे पूरी दुनिया में फैल जाएगा। अगर सिर्फ अमेरिका 25% टैरिफ लगाता है और अन्य देश जवाबी कार्रवाई नहीं करते, तो भी अमेरिका का निर्यात 56% और आयात 38% गिर सकता है।

Ojaank Gurukul | IAS

मुद्रास्फीति और आर्थिक नुकसान का खतरा

5%+	15%	$1.4T
अमेरिका में मुद्रास्फीति	**आयात निर्भरता**	**वैश्विक नुकसान**
टैरिफ के कारण अमेरिका में 5% से अधिक की मुद्रास्फीति हो सकती है	अमेरिकी अर्थव्यवस्था अब 15% से अधिक आयात पर निर्भर है	दुनिया भर में 1.4 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हो सकता है

टैरिफ का सबसे बड़ा खतरा मुद्रास्फीति है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इसके कारण अमेरिका में 5% से अधिक की मुद्रास्फीति हो सकती है, जो एक विकसित देश के लिए बहुत अधिक है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था अब 15% से अधिक आयात पर निर्भर है, जबकि 50-60 साल पहले यह केवल 4-5% थी। कुल मिलाकर, इन टैरिफ के कारण दुनिया भर में 1.4 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हो सकता है। यह नया टैरिफ 9 अप्रैल से लागू होगा।

Ojaank Gurukul | IAS

👉 ऐसी ही UPSC Special Current News PDF के लिए Visit करें हमारी Official Website : www.ojaank.com

👉 DAILY FREE ENGLISH NEWS PDFs Link :
https://www.ojaank.com/books/current-affairs-magazine

👉 DAILY FREE ENGLISH NEWS PDFs Link : https://www.ojaank.com/hindi/books/current-affairs-magazine